PRESS RELEASE

BILATERAL TIES BETWEEN INDIA AND MONGOLIA ARE BASED ON THE PRINCIPLES OF DEMOCRACY, DHARMA, AND DEVELOPMENT (3D): LOK SABHA SPEAKER/डेमोक्रेसी, धर्म और डेवलपमेंट (3D) के सिद्धांतों पर आधारित भारत और मंगोलिया के द्विपक्षीय संबंध उत्तरोत्तर मज़बूत हो रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA AS A RAPIDLY GROWING ECONOMIC POWER CONTRIBUTING TO GLOBAL PEACE AND STABILITY: MONGOLIAN PRESIDENT/तेज़ी से बढ़ रही आर्थिक शक्ति के रूप में भारत विश्व शांति और स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है: मंगोलिया के राष्ट्रपति

…

PARTNERSHIP BETWEEN INDIA AND MONGOLIA HAS VAST POTENTIAL IN DEFENCE, HEALTH, IT, AND ECONOMIC COOPERATION: LOK SABHA SPEAKER/भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा, स्वास्थ्य, आईटी और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में साझेदारी की अपार संभावनाएँ हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

MONGOLIAN PRESIDENT LAUDS INDIA’S LEADERSHIP OF GLOBAL SOUTH; EXPRESSES HOPE FOR CONTINUED COLLABORATION ON MULTILATERAL PLATFORMS/मंगोलिया के राष्ट्रपति ने ग्लोबल साउथ में भारत के नेतृत्व की सराहना की; बहुपक्षीय मंचों पर निरंतर सहयोग की आशा व्यक्त की

…

MONGOLIAN DELEGATION LED BY PRESIDENT KHURELSUKH UKHNAA RECEIVES WARM WELCOME BY LOK SABHA SPEAKER AT PARLIAMENT HOUSE/लोक सभा अध्यक्ष ने संसद भवन में मंगोलिया के राष्ट्रपति का स्वागत किया

…

New Delhi 14 October 2025: President of Mongolia H.E. Khurelsukh Ukhnaa along with his delegation, today visited the Parliament of India. He was warmly received by Lok Sabha Speaker Shri Om Birla at Makar Dwar. The delegation admired the architectural grandeur, artistic elegance, and rich cultural heritage of

the Parliament House as they witnessed India's vibrant democratic traditions showcased in the new Parliament Building.

Both the leaders held bilateral talks. In his address, Shri Birla said that the partnership between India and Mongolia has vast potential in defence, health, IT, and economic cooperation. Observing that bilateral ties between India and Mongolia are strengthening based on the principles of democracy, dharma, and development (3D), he underlined that India and Mongolia share several common traditions, from history to spiritual heritage.

Shri Birla was happy to note that India and Mongolia are celebrating the 70th anniversary of their diplomatic relations. He praised the continuously deepening partnership and observed that over these seven decades, the cooperation between the two countries has expanded into many new dimensions. Reflecting on his visit to Mongolia in 2023, he underscored the strong commitment both nations share towards parliamentary democracy.

On the shared Buddhist legacy, Shri Birla remarked that the teachings of Lord Buddha transcend time, remaining eternal and relevant. He cited the Buddha's mantra, "Bahujan Hitaya Bahujan Sukhaya" (For the welfare and happiness of the many), as a guiding principle that continues to inspire India's public policy today. He also informed President Khurelsukh Ukhnaa that the Dharma Chakra is prominently inscribed above the Speaker's chair in the Lok Sabha Chamber, symbolizing India's dedication to dharma-based governance.

Shri Birla also highlighted the country's focus on enhancing women's participation across all fields. He pointed to significant progress made in recent years to boost women's representation socially, economically, and politically. He shared that the Indian Constitution mandates a 33% reservation for women in grassroots representative bodies, with some states extending this to 50%. Additionally, Shri Birla mentioned the "Nari Shakti Vandan Act," the first law enacted in the new Parliament building, which reserves 33% of seats for women in the Lok Sabha and State Assemblies. This law underscores India's constitutional commitment to Women-Led Development, he said.

On the new Parliament building, Shri Birla informed the delegation that despite challenges posed by the global COVID-19 pandemic, the construction was completed in record time. He proudly mentioned that the building embodies the aspirations of 1.4 billion Indians and prominently features Buddhist philosophy. For instance, one of the galleries displays the immortal phrase "Buddham Sharanam Gacchami, Dhammam Sharanam Gacchami, Sangham Sharanam Gachchhami" (I go to the Buddha for refuge, to the Dharma for refuge, to the Sangha for refuge), alongside teachings encouraging individuals to strive to become like light, he said.

Stressing the growing parliamentary ties between India and Mongolia, Shri Birla noted that regular parliamentary exchanges have been a key pillar of their relationship. He expressed eagerness to further strengthen this tradition. Recalling the MoU signed during his 2023 visit to Mongolia to enhance parliamentary

cooperation, Shri Birla encouraged Mongolian parliamentarians and officials to utilize India’s world-class Parliamentary Research and Training Institute for Democracies (PRIDE) for training and capacity-building.

On this occasion, H.E. Mr. Khurelsukh Ukhnaa, President of Mongolia, fondly recalled the visit of Lok Sabha Speaker Shri Om Birla to Mongolia in 2023, noting that Shri Birla’s charismatic presence had significantly strengthened parliamentary cooperation between the two countries. Emphasizing India’s role as a key partner, President Ukhnaa described India as Mongolia’s “spiritual neighbour and a great friend.” He hailed India as a rapidly growing economic power making meaningful contributions to global peace and stability. Applauding India’s leadership of the Global South, he expressed hope for continued collaboration between the two nations on multilateral platforms, grounded in mutual benefit.

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर 2025: मंगोलिया के राष्ट्रपति महामहिम खुरेलसुख उखना ने आज अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ संसद भवन का दौरा किया। लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मकर द्वार पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन की वास्तुकला की भव्यता, कलात्मक शालीनता, और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा की, जबकि उन्होंने नए संसद भवन में प्रदर्शित भारत की जीवंत लोकतांत्रिक परंपराओं को देखा।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता भी की। श्री बिरला ने कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, और आर्थिक सहयोग में व्यापक संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंध डेमोक्रेसी, धर्म और डेवलपमेंट (3D) के सिद्धांतों के आधार पर मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया इतिहास से लेकर आध्यात्मिक विरासत तक कई सामान्य परंपराओं को साझा करते हैं।

श्री बिरला को यह जानकर खुशी हुई कि भारत और मंगोलिया अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच निरंतर गहरी हो रही साझेदारी की सराहना करते हुए कहा कि इन सात दशकों में दोनों देशों के बीच कई नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है। 2023 में अपनी मंगोलिया यात्रा का स्मरण करते हुए, उन्होंने संसदीय लोकतंत्र के प्रति दोनों देशों की दृढ़ प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।

साझा बौद्ध विरासत के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ कालातीत, शाश्वत और प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का मंत्र, "बहुजन हिताय बहुजन सुखाय" ऐसा मार्गदर्शी सिद्धांत है जो आज भी भारत की लोक नीति को प्रेरित कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना को यह भी बताया कि लोक

सभा कक्ष में अध्यक्ष के आसन के ऊपर धर्म चक्र प्रमुखता से अंकित है, जो धर्म-आधारित शासन के प्रति भारत की निष्ठा का प्रतीक है।

श्री बिरला ने देश में सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाए जाने के बारे में भी बात की। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत के संविधान में जमीनी स्तर के प्रतिनिधि निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान है, और कुछ राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50% कर दिया है। इसके अतिरिक्त, श्री बिरला ने "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" का भी उल्लेख किया, जो नए संसद भवन में पारित पहला कानून है, और जिसमें लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित किए जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के नेतृत्व में विकास के प्रति भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

संसद के नए भवन के बारे में, श्री बिरला ने शिष्टमंडल को बताया कि वैश्विक कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, इस भवन का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि यह भवन सभी भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक है और इसमें बौद्ध दर्शन को प्रमुखता से दर्शाया गया है। उदाहरण के लिए, इसकी एक गैलरी में "बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघं शरणं गच्छामि" (मैं बुद्ध की शरण में जाता हूँ, धर्म की शरण में जाता हूँ, संघ की शरण में जाता हूँ) का मूलमंत्र प्रदर्शित है और इसके साथ ही उन शिक्षाओं का उल्लेख भी हैं जो व्यक्तियों को प्रकाश के समान आलोकित होने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

भारत और मंगोलिया के बीच बढ़ते संसदीय संबंधों के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि नियमित संसदीय आदान-प्रदान दोनों देशों के संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ रहा है। उन्होंने इस परंपरा को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। अपनी 2023 की मंगोलिया यात्रा के दौरान संसदीय सहयोग बढ़ाने के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने मंगोलिया के सांसदों और अधिकारियों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए भारत के विश्व स्तरीय संसदीय लोकतन्त्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (PRIDE) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर, मंगोलिया के राष्ट्रपति महामहिम श्री खुरेलसुख उखना ने 2023 में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला की मंगोलिया यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री बिरला की करिश्माई उपस्थिति से दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग और अधिक मज़बूत हुआ है। एक प्रमुख साझेदार के रूप में भारत की भूमिका पर ज़ोर देते हुए, राष्ट्रपति उखना ने भारत को मंगोलिया का "आध्यात्मिक पड़ोसी और एक महान मित्र" बताया। उन्होंने भारत

को एक तेज़ी से बढ़ रही आर्थिक शक्ति बताया जो विश्व शांति और स्थिरता में सार्थक योगदान दे रहा है। ग्लोबल साउथ में भारत के नेतृत्व की सराहना करते हुए, उन्होंने दोनों देशों के बीच परस्पर लाभ के लिए बहुपक्षीय मंचों पर निरंतर सहयोग की आशा व्यक्त की।